

रांची का तापमान

अधिकतम  
न्यूनतम30°  
23°

हिन्दी दैनिक

आप में कितनी भी प्रतिभा क्यों  
न हो, प्रयास और अभ्यास के  
बिना सब ल्यार्थ है !

# प्रभात मन्त्र

रांची, सोमवार

09.10.2023

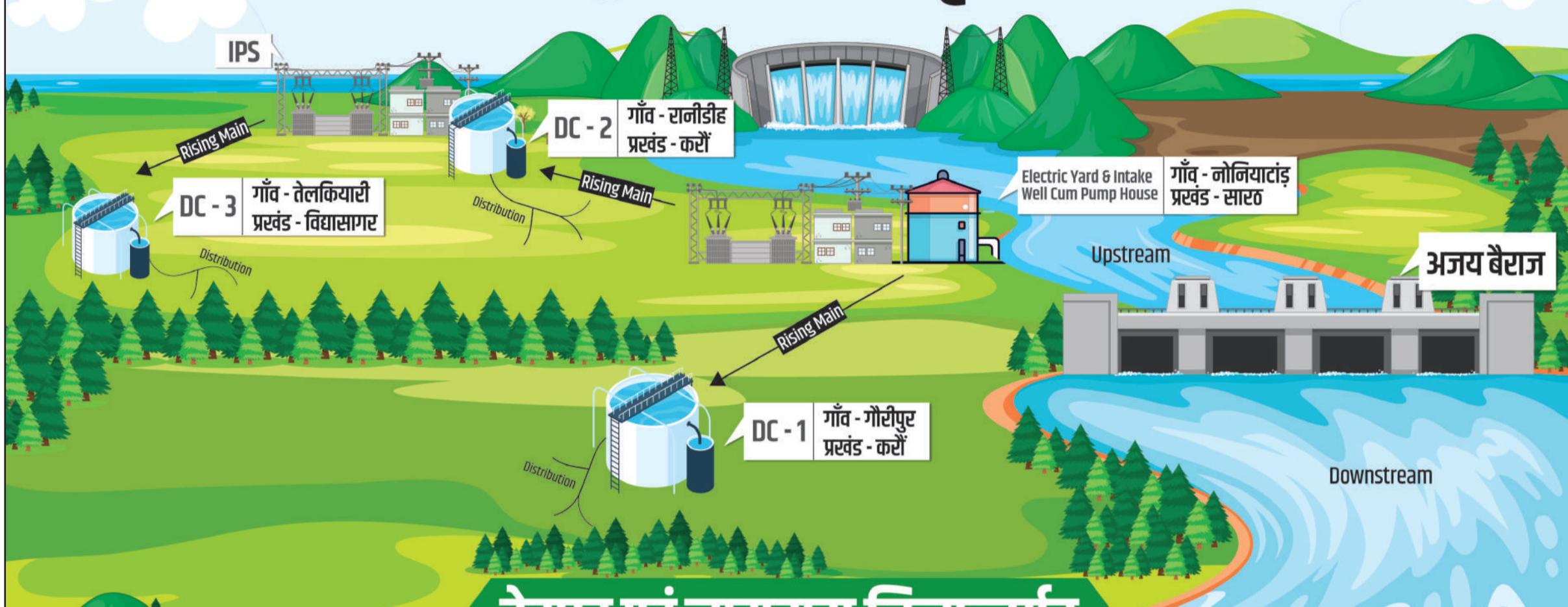
वर्ष 10, अंक 276

RNI No. - JAHIN/2014/59110



नेक इदादा निभा द्वे वादा

## सिंचाई की सुविधा से समृद्ध होंगे किसान



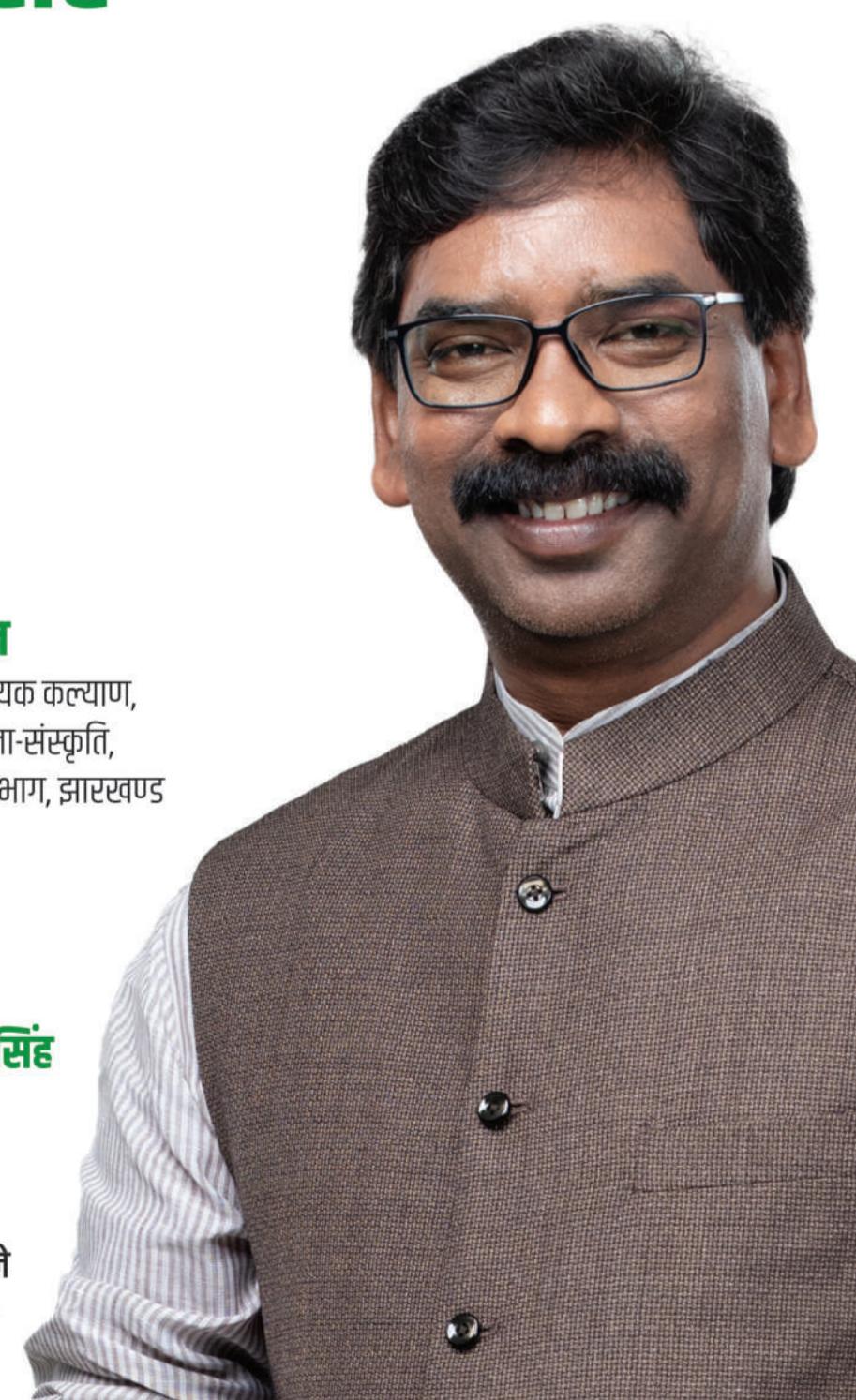
देवघर एवं जामताड़ा जिलान्तर्गत

## सिकटिया मेंगा लिप्ट सिंचाई योजना रिलान्यास समारोह

मुख्य अतिथि

**श्री हेमन्त सोरेन**  
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशेष अतिथि

**श्री बादल प्रलेख**माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन  
एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड**श्री हफीजुल हसन**माननीय मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण,  
निवंधन तथा पर्यटन, कला-संस्कृति,  
खेलकूट एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड**श्री सुनील सोरेन**माननीय सांसद,  
दुमका लोकसभा क्षेत्र**श्री निशिकान्त दुबे**माननीय सांसद,  
गोड्डा लोकसभा क्षेत्र**श्री इरफान अंसारी**माननीय विधायक,  
जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र**श्री रणधीर कुमार सिंह**माननीय विधायक,  
साठठ विधानसभा क्षेत्र

मुख्य बातें -

**₹484.35**  
करोड़ से होगा निर्माण

**13,164 हें**  
कुल सिंचित क्षेत्र

**1,11,174**  
कुल लाभान्वित ग्रामीण

**27**  
कुल लाभान्वित पंचायत

**190**  
कुल लाभान्वित गाँव

दिनांक : 09 अक्टूबर, 2023 | समय : अपराह्न 01:00 बजे

स्थान : ग्राम - सिकटिया, प्रखण्ड - साठठ, जिला - देवघर

जल संसाधन विभाग, झारखण्ड सरकार











## संपादकीय

### बंदरमुक्त कैसे होंगे

**क्या** बंदर अब भी जंगल की आमत है या इससे इनसान का मुकाबला नहीं है, फिर भी मनुष्य के अस्तित्व के प्रश्न पर मानवता हाँ रहती है। बच्य प्राणी सुरक्षा कानून ने बंदर को ऐसी प्रजाति तो नहीं माना कि इसकी ओर धातक निगाह से न देखा जाए, फिर भी बंदिश यह है कि जंगल के भीतर इससे अमंगल न किया जाए। इस बार सावल उत्पत्ती बंदर को मारने की अनुमति का है, तो जिक्र हिमाचल की आवादी के सामने इससे जुड़े प्रकोप का भी है। यानी जनता चाहे तो वह उत्पत्ती बंदर की तरफ कोई खुंखार पथर उछाल दे, लेकिन धर्म की आख से अभी तक यह निशाना नहीं बना जो गोली से ऐसी शरारतों का खात्मा कर दे। एक बार धूमल सरकार ने बाकायदा अधियान चलाया और कुछ शूट काम पर लगाए गए, लेकिन तबके तथाकथित नेशनल मीडिया खास तौर पर एक न्यूज चैनल के हिमाचली एकर ने इस कार्रवाई को बालू बना दिया। जाहिर है वन विभाग एक ऐसा पहरा है जो हिमाचल की समस्याओं को थानेदार तो बनना चाहता है, लेकिन अपनी वजह से उत्पन्न मानवीय परेशानियों की जिम्मेदारी नहीं होता। बच्य प्राणी भी इसी तरह की एक भूली सी जिम्मेदारी है। बंदर बच्य का इसी तरह की छत या पेड़ पर फल उजाड़ दे और फिर खाने की शरारत के अभ्यारण्य में खुद को संरक्षित कर ले। जाहिर है हिमाचल की सतर फौसदी धूम पर खड़ा जंगल कब अपनी सरदारी घोषित कर दे, इसका न सामाजिक जीवन को आभास है और न ही विकास के रासानों को पता। यह कैसे बन संक्षण जो चैन से प्राकृतिक संसाधों से प्रदेश की मुलाकात में बाधक बना रहता है। मूल विषय यह तो यह होना चाहिए कि बच्य प्राणी अबर जंगल से बाहर उत्पन्न मचा रहे हैं, तो यह जंगल की नीति और प्रबंधन को दोष है। यहां बंदों और जंगली जानवरों से हो रहे नुकसान का आकलन भी होना चाहिए, ताकि इसकी भरपूराई की जा सके। आश्चर्य यह कि अगर प्रदेश को अपनी विकास की गाड़ी जंगल के रास्ते युजानी पड़ती है, तो इसके बदल उत्पन्न ही तादाद में हरियाली तथा कीमत चुकानी पड़ती है, मगर जब जंगल के जानवर बस्ती में जीवा और खेत में खेती हराम करते हैं, तो वन विभाग को कोई जिम्मेदारी तय नहीं होती। हमीरपुर, ऊना, कांगड़ा, मंडी, चंबा व चिंमौर के कुछ हिस्सों में जंगलों के अधीन आई जमीन सौफीसदी इनसान की बेहतरी के लिए इस्तेमाल होनी चाहिए, लेकिन वहां के वनों ने मानव के उपरान्त नहीं, अपनी वनदरों की नीति और प्रबंधन को दोष है। यहां बंदों और जंगली जानवरों से हो रहे नुकसान का आकलन भी होना चाहिए, ताकि इसकी भरपूराई की जा सके।

वन्य प्राणी सुरक्षा कानून ने बंदर को ऐसी प्रजाति तो नहीं माना कि इसकी

ओर धातक निगाह से न देखा जाए, फिर भी बंदिश यह है कि जंगल के भीतर इससे अमंगल न किया जाए।

इस बार सावल उत्पत्ती बंदर को मारने की अनुमति का है, तो जिक्र हिमाचल की आवादी के सामने इससे जुड़े प्रकोप का भी है। यानी जनता चाहे तो वह उत्पत्ती बंदर की तरफ कोई खुंखार पथर उछाल दे, लेकिन धर्म की आख से अभी तक यह निशाना नहीं बना जो गोली से ऐसी शरारतों का खात्मा कर दे। एक बार धूमल सरकार ने बाकायदा

अधियान चलाया और कुछ शूट काम

पर लगाए गए, लेकिन तबके तथाकथित

नेशनल मीडिया खास तौर पर एक

न्यूज चैनल के हिमाचली एकर ने इस

कार्रवाई को बालू बना दिया। जाहिर है

वन विभाग एक ऐसा पहरा है जो

हिमाचल की आवादी के सामने इससे जुड़े

प्रकोप का भी है। यानी जनता चाहे तो

वह उत्पत्ती बंदर की तरफ कोई

खुंखार पथर उछाल दे, लेकिन धर्म

की आख से अभी तक यह निशाना

नहीं बना जो गोली से ऐसी शरारतों का

खात्मा कर दे। एक बार धूमल

सरकार ने बाकायदा अधियान चलाया

और कुछ शूट काम पर लगाए गए,

लेकिन वह के तथाकथित नेशनल

मीडिया खास तौर पर एक न्यूज यैनल

के हिमाचली एकर ने इस कार्रवाई को

बाहर उत्पन्न होना दिया। जाहिर है वन विभाग

एक ऐसा पहरा है जो हिमाचल के प्रति

सखियों का थानेदार तो वन बना चाहता है।

लेकिन अपनी वजह से उत्पन्न

मानवीय परेशानियों की जिम्मेदारी

नहीं लेता। वन्य प्राणी भी इसी तरह

की एक भूली सी जिम्मेदारी है। बंदर

वया जाने जंगल की सीमा। सुबह

किसी की छत या पेड़ पर फल उजाड़ दे

और न ही विकास के रासानों को पता। यह कैसे

बन संक्षण जो चैन से प्राकृतिक

संसाधों से प्रदेश की मुलाकात में

बाधक बना रहता है। मूल विषय यह तो यह होना चाहिए कि बच्य प्राणी अबर जंगल

से बाहर उत्पन्न मचा रहे हैं, तो यह जंगल की नीति और प्रबंधन को दोष है। यहां बंदों और जंगली जानवरों से हो रहे नुकसान का आकलन भी होना चाहिए, ताकि इसकी भरपूराई की जा सके।

आश्चर्य यह कि अगर प्रदेश को

अपनी विकास की गाड़ी जंगल के रास्ते

युजानी पड़ती है, तो इसके बदल

उत्पन्न ही तादाद में हरियाली

कीमत चुकानी पड़ती है, मगर जब

जंगल के अधीन आई जमीन सौ

फीसीदी इनसान की बेहतरी के लिए

इसका बदला कर देने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से

संरक्षित करने की तरफ को

जिम्मेदारी की अपनी वजह से









e-mail : prabhatmantraranchi@gmail.com

रांची, सोमवार, 09 अक्टूबर 2023 | पेज

10

## शंकर गयाली की मनाई गई घैसी पुण्यतिथि स्वस्तिक गुण ट्रस्ट के सदस्यों ने दिया श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र मंत्र संवाददाता : बाबमारा प्रखड अंतर्गत सेनींडी में



शंकर गयाली की मनाई गई घैसी पुण्यतिथि स्वस्तिक गुण ट्रस्ट के सदस्यों ने आज ही के दिन मृत्यु हो गई थी, संस्था ने उनके परिजनों के सहयोग से उनकी सुनुजी संस्थान कुमारी के हाथों दुण्डु साइंडिंग, काटरा, सिनींडी आदि स्थानों में जाकर करीब दो सौ

जरूरतमंदों के बिच खाना का पैकेट वितरण किया एवं मौजूद संस्था के सभी सदस्यों ने उनके प्रतिमा पर फूल माला अपूर्ण किया और श्रद्धांजलि दी गई, मौजूद पर शाखा प्रभारी नवानं चौहान, सर्वे टिप्पनी प्रभारी स्थितिक गयाली, रामेश गयाली, गौरव चौहान, आकाश कुमार, संमत गयाली, अनीश कुमार, राजेश गयाली, अंजीत कुमार, अभिषेक गयाली, नीरज कुमार आदि लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

## डीएवी मॉडल स्कूल में दो दिवसीय क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला का आयोजन संपन्न



इतिहास (प्रभात मंत्र संवाददाता) : डीएवी मॉडल स्कूल सी.एफ.आर.आई में डीएवी सीएड के तत्वावधान में दो दिवसीय क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय में विविध महलपूर्ण विषयों पर कार्यशाला आयोजित की गई। विद्यालय की प्राचार्या महुआ सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ञानित कर किया। उन्होंने कार्यशाला में विविध विद्यालयों से आए शिक्षकों और विषय विशेषज्ञों का मार्ग दर्शन किया। साथ ही यह उम्मीद जारी किया कि बच्चों के व्यक्तिल के सर्वांगीन विकास में यह कार्यशाला कामी लाभान्वित होगी। मौजूद पर विद्यालय की प्राचार्या महुआ सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में डीएवी शाखाएँ जोन ई की सहायता क्षमीत अधिकारी प्रज्ञा सिंह को पुण्युच्छ घेंट कर सम्मानित किया। श्रीमती प्रज्ञा सिंह ने सभी प्रतिभागियों एवं विषय विशेषज्ञों का उत्साहवर्धन किया और मार्ग दर्शन करते हुए कहा कि हमारी शिक्षण प्रक्रिया गतिविधियों एवं नियन्त्रित कालांक पर आधारित हो। उन्होंने उम्मीद जारी कि प्रतिभागियों द्वारा विशेषज्ञों द्वारा विद्यालय पर आधारित अनुभुति से सीखी काम का शिक्षण में प्रयोग कर बच्चों के व्यक्तिल के सर्वांगीन विकास में सहायता मिल जाएगी। इस कार्यशाला में विविध विषयों के विशेषज्ञ के रूप में रामजनीषी पटेल, अलाक कुमार, सुहेल चौधरी, आमदार कुमार ज्ञा आदि उपस्थित रहे।

## 5 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन



गिरिडीह (प्रभात मंत्र संवाददाता) : रविवार को गौशाला प्रांगण में एकल अधियान के द्वारा सचालित - श्री हरी गो ग्राम योजना के तहत 5 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त परिवार को गौशाला के सहायता से एक गौवंश दिव्या जाएगा तथा साथ में एक वर्ष की ओर पालन पोषण की राशि भी दी जाएगी। गौवंश के गोवंश को लाभुक के द्वारा सुखाकर रखा जाएगा जिससे संरक्षण के द्वारा वापस खरीद किया जाता है। उपरोक्त प्रशिक्षण से एकल संस्थान के सहायता के द्वारा वापस खरीद के बावजूद भी इस कार्यशाला में विविध विषयों के विशेषज्ञ के रूप में कठुनाई दिलाई जाएगी। इस कार्यशाला में विविध विषयों के विशेषज्ञ के रूप में कठुनाई दिलाई जाएगी। अनुप्रयोगी गौवंश को बचाने के लिए किया जा रहा यह अनुभुति से सीखी काम का शिक्षण में प्रयोग कर बच्चों के व्यक्तिल के सर्वांगीन विकास में सहायता मिल जाएगी।

गिरिडीह (प्रभात मंत्र संवाददाता) : रविवार को गौशाला प्रांगण में एकल अधियान के द्वारा सचालित - श्री हरी गो ग्राम योजना के तहत 5 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त परिवार को गौशाला के सहायता से एक गौवंश दिव्या जाएगा तथा साथ में एक वर्ष की ओर पालन पोषण की राशि भी दी जाएगी। गौवंश के गोवंश को लाभुक के द्वारा सुखाकर रखा जाएगा जिससे संरक्षण के द्वारा वापस खरीद किया जाता है। उपरोक्त प्रशिक्षण से एकल संस्थान के द्वारा खरीद कर बहुत ही सुंदर तरीके से पैकिंग कर महानगरों में बेचा जा रहा है। अनुप्रयोगी गौवंश को बचाने के लिए किया जा रहा यह अनुभवी वाले भावी एवं एकल मिलाकल काम होगा।

## पटना-बरौनी-पटना पैसेंजर ट्रेन स्पेशल का आर्थिक समाप्त

प्रभात मंत्र संवाददाता जायेगा तथा यहीं से यह 03283 पैसेंजर सेपेल बन कर पटना के लिए खुलेगी।

अर्थात दिनांक 11.10.2023 तक तक यह पैसेंजर स्पेशल विद्यापतिधाम और बरौनी के बीच दिवानी के स्वार्थी से यह रहेगी।

आर्ट ऑफ सक्सेस समिनार में विद्यार्थियों की उमड़ी भीड़

प्रभात मंत्र संवाददाता

धनबाद : चाणक्य आईएस

एकेडमी की ओर से रविवार को न्यू

यात्रा हाँल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय

छात्री प्राप्ती मॉटिवेशन स्कॉल र विद्यापति

आईएस एकेडमी के फारंड चेयरमैन स्कर्सेस गुरु मिश्रा

के आर्ट ऑफ स्कर्सेस सेमिनार में

जीवन में सफल होने के मत्रों को बड़ी

संख्या में सेमिनार में पहुंचे छात्र-

छात्रों एवं मन्त्र्युष होकर बड़े सुन्दर रहे।

मौजूद पर हजारों की तादाद में पहुंचे

विद्यार्थियों को स्कर्सेस गुरु एक मिश्रा

ने अपने प्रेणार्ड शब्दों से सबोधित

करते हुए कहा कि इसमें कोई दो राय

दिशा दिखाने के ज्ञारूप है। उन्होंने

काफी प्रतिभावान है। केवल उच्चत

मार्गदर्शन, बहेतर सलाह और सही

दिशा दिखाने के ज्ञारूप है। अगर किसी व्यक्ति

को विद्यार्थी की उमड़ी भीड़ के

प्रभाव में लगाया जाता है।

प्रभात मंत्र संवाददाता

धनबाद : चाणक्य आईएस

एकेडमी की ओर से रविवार को न्यू

यात्रा हाँल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय

छात्री प्राप्ती मॉटिवेशन स्कॉल र विद्यापति

आईएस एकेडमी के फारंड चेयरमैन स्कर्सेस गुरु मिश्रा

के आर्ट ऑफ स्कर्सेस सेमिनार में

जीवन में सफल होने के मत्रों को बड़ी

संख्या में सेमिनार में पहुंचे छात्र-

छात्रों एवं मन्त्र्युष होकर बड़े सुन्दर रहे।

मौजूद पर हजारों की तादाद में पहुंचे

विद्यार्थियों को स्कर्सेस गुरु एक मिश्रा

ने अपने प्रेणार्ड शब्दों से सबोधित

करते हुए कहा कि इसमें कोई दो राय

दिशा दिखाने के ज्ञारूप है। उन्होंने

काफी प्रतिभावान है। केवल उच्चत

मार्गदर्शन, बहेतर सलाह और सही

दिशा दिखाने के ज्ञारूप है। अगर किसी व्यक्ति

को विद्यार्थी की उमड़ी भीड़ के

प्रभाव में लगाया जाता है।

प्रभात मंत्र संवाददाता

धनबाद : चाणक्य आईएस

एकेडमी की ओर से रविवार को न्यू

यात्रा हाँल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय

छात्री प्राप्ती मॉटिवेशन स्कॉल र विद्यापति

आईएस एकेडमी के फारंड चेयरमैन स्कर्सेस गुरु मिश्रा

के आर्ट ऑफ स्कर्सेस सेमिनार में

जीवन में सफल होने के मत्रों को बड़ी

संख्या में सेमिनार में पहुंचे छात्र-

छात्रों एवं मन्त्र्युष होकर बड़े सुन्दर रहे।

मौजूद पर हजारों की तादाद में पहुंचे

विद्यार्थियों को स्कर्सेस गुरु एक मिश्रा

ने अपने प्रेणार्ड शब्दों से सबोधित

करते हुए कहा कि इसमें कोई दो राय

दिशा दिखान



